हर्रई की अतरिया पंचायत में 21.66 लाख का हुआ महाघोटाला!

पुलिया की हालत देखकर निर्माण गुणवत्ता पर सवाल, सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद भी जांच नहीं होने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ हर्रई/छिंदवाड़ा

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए शासन द्वारा लाखों रुपये की राशि स्वीकृत की जाती है, ताकि गांवों में सड़क, पुलिया और अन्य बुनियादी सुविधाओं का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो सके। लेकिन यदि लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगें, तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होना जरूरी हो जाता है।

ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत अतरिया से सामने आया है, जहां लगभग 21 लाख 66 हजार की राशि से कराए गए निर्माण कार्य को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, पुलिया निर्माण की स्थिति अभी से खराब दिखाई दे रही है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता, सरकारी राशि के उपयोग और भुगतान संबंधी दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है।


फाइल फोटो

लाखों रुपये खर्च, फिर भी निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल!

ग्राम पंचायत अतरिया में कराए गए पुलिया निर्माण को लेकर शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप नहीं कराया गया। निर्माण की वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह सवाल उठ रहा है कि क्या कार्य निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुसार पूरा किया गया था?यदि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों की अनदेखी हुई है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? क्या निर्माण कार्य का तकनीकी निरीक्षण किया गया था? क्या संबंधित अधिकारियों ने कार्य की गुणवत्ता की जांच करने के बाद भुगतान की अनुशंसा की थी?इन सवालों का जवाब दस्तावेजों की जांच और स्थल निरीक्षण के बाद ही सामने आ सकता है। इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष तकनीकी जांच आवश्यक है।

सचिव के कथित बयान से बढ़ा मामला, राशि के हिसाब की जांच जरूरी

शिकायतकर्ता के अनुसार, पंचायत सचिव ने कथित तौर पर कहा कि पुलिया निर्माण के लिए आवंटित राशि में सभी को मैनेज करना पड़ता है और शेष बची राशि से पुलिया का निर्माण कराया गया।यदि यह कथन सही है, तो इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। हालांकि, इस कथित बयान की स्वतंत्र पुष्टि अभी आवश्यक है।जिला प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि निर्माण कार्य के लिए कुल कितनी राशि स्वीकृत की गई थी, वास्तविक रूप से कितना खर्च हुआ, किन मदों में भुगतान किया गया और निर्माण कार्य की गुणवत्ता का मूल्यांकन किस आधार पर किया गया।सरकारी राशि के उपयोग में किसी भी प्रकार की अनियमितता की पुष्टि होने पर नियमानुसार जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत, फिर भी जांच का इंतजार!शिकायतकर्ता का कहना है कि ग्राम पंचायत अतरिया में निर्माण कार्य से जुड़ी कथित अनियमितताओं को लेकर मध्य प्रदेश सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भी मामले से अवगत कराने का दावा किया गया है।इसके बावजूद जांच और कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है।ऐसे में सवाल उठता है कि जब किसी निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज कराई जाती है, तो उसकी वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए स्थल निरीक्षण क्यों नहीं कराया गया? यदि जांच की गई है, तो उसकी रिपोर्ट और निष्कर्ष क्या हैं? और यदि जांच लंबित है, तो उसके निराकरण में देरी क्यों हो रही है?इन सवालों पर संबंधित अधिकारियों का जवाब सामने आना जरूरी है।

जिला पंचायत CEO ध्यान दें! इन बिंदुओं पर हो जांच

ग्राम पंचायत अतरिया के मामले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (**CEO**), जिला प्रशासन तथा संबंधित तकनीकी अधिकारियों से मांग है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए निम्न बिंदुओं पर जांच कराई जाए—

1. **निर्माण की तकनीकी जांच:** पुलिया का मौके पर निरीक्षण कर निर्माण की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों का परीक्षण किया जाए।
2. **21.66 लाख के व्यय का सत्यापन:** स्वीकृत राशि, वास्तविक खर्च और भुगतान के विवरण का मिलान किया जाए।
3. **बिल-वाउचर की जांच:** निर्माण कार्य से संबंधित बिल, वाउचर और अन्य वित्तीय अभिलेखों का सत्यापन किया जाए।
4. **माप पुस्तिका की जांच:** निर्माण की माप पुस्तिका (एमबी), मूल्यांकन रिपोर्ट और पूर्णता प्रमाणपत्र की जांच की जाए।
5. **जिम्मेदारी तय हो:** निर्माण कार्य से जुड़े सरपंच, सचिव, तकनीकी कर्मचारियों और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच की जाए।
6. **सीएम हेल्पलाइन शिकायत की समीक्षा:** शिकायत पर अब तक हुई कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट की जाए और आवश्यक होने पर पुनः जांच कराई जाए।
7. **दोष प्रमाणित होने पर कार्रवाई:** यदि घटिया निर्माण, फर्जी दस्तावेज या वित्तीय अनियमितता प्रमाणित होती है, तो नियमानुसार विभागीय एवं वैधानिक कार्रवाई की जाए।

ग्रामीण विकास के नाम पर खर्च होने वाली राशि का हिसाब जरूरीग्राम पंचायतों में होने वाले निर्माण कार्य केवल सरकारी योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि ग्रामीणों की सुविधाओं और गांव के भविष्य से जुड़े हैं। इसलिए प्रत्येक निर्माण कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।ग्राम पंचायत अतरिया का मामला भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यदि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की गड़बड़ी हुई है, तो जांच के माध्यम से सच्चाई सामने आनी चाहिए। वहीं, यदि आरोप सही नहीं पाए जाते हैं, तो जांच के निष्कर्षों से स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए।

बड़ा सवाल

अब जिला पंचायत **CEO** और जिला प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि संबंधित अधिकारी शिकायत को केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि निर्माण स्थल का निरीक्षण कराकर दस्तावेजों की जांच करेंगे और नियमानुसार उचित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। 21.66 लाख के निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति क्या है?क्या ग्राम पंचायत अतरिया में निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप कराया गया? क्या स्वीकृत राशि का उपयोग नियमानुसार हुआ? क्या सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायत पर निष्पक्ष जांच होगी?इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आएंगे।खबर एक्सप्रेस हर्रई की जनहित में मांग है कि ग्राम पंचायत अतरिया के निर्माण कार्य की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कराई जाए, ताकि सरकारी राशि के उपयोग की वास्तविक स्थिति सामने आए और ग्रामीण विकास कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

लकड़ी के कारोबार का पंजीयन रद्द करने की धमकी देकर मांगी रिश्वत, डिप्टी रेंजर 3 हजार लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

बिछुआ वन परिक्षेत्र के शासकीय आवास में लोकायुक्त जबलपुर की ट्रैप कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिछुआ वन परिक्षेत्र में पदस्थ प्रभारी डिप्टी रेंजर को 3 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी वनपाल सुनील बनवारी पर लकड़ी के कारोबार से संबंधित पंजीयन की जानकारी पर हस्ताक्षर करने के बदले रिश्वत मांगने और रकम नहीं देने पर पंजीयन निरस्त करने की धमकी देने का आरोप है। 13 अक्टूबर 2026 को आरोपी के बिछुआ स्थित शासकीय आवास पर लोकायुक्त की टीम ने यह कार्रवाई की। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

लोकायुक्त से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता मोखराम मालवीय, पिता स्वर्गीय जवाहर लाल मालवीय, उम्र 55 वर्ष, निवासी माता मां चौक, वार्ड नंबर 1, तहसील बिछुआ, जिला छिंदवाड़ा ने प्रभारी डिप्टी रेंजर सुनील बनवारी के खिलाफ शिकायत की थी। शिकायतकर्ता के भाई लेखराम मालवीय के नाम से बिछुआ में मध्यप्रदेश वन उपज व्यापार विनियमन अधिनियम, 1969 की धारा 11 के अंतर्गत इमारती लकड़ी के विनिर्माता एवं उपभोक्ता का पंजीयन है।

शिकायतकर्ता और उसके भाई को फर्नीचर बनाने के लिए अलग-अलग स्थानों से इमारती लकड़ी खरीदनी पड़ती है। नियमानुसार लकड़ी की खरीदी से संबंधित जानकारी प्रत्येक तीन माह में वन विभाग के डिप्टी रेंजर के पास जमा करनी होती है। आरोप है कि इस जानकारी पर हस्ताक्षर करने के बदले प्रभारी डिप्टी रेंजर सुनील बनवारी द्वारा 3 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी। रकम नहीं देने पर पंजीयन रद्द करने की धमकी भी दी जा रही थी।

शासकीय आवास में बिछाया जाल

शिकायत के आधार पर लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई। शिकायत के अनुसार, आरोपी 3 हजार रुपए लेने के लिए तैयार हो गया था। इसके बाद 13 अक्टूबर को शिकायतकर्ता जब रिश्वत की राशि देने आरोपी के बिछुआ वन परिक्षेत्र स्थित शासकीय आवास पहुंचा, तो लोकायुक्त की टीम ने उसे 3 हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।कार्रवाई पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश और पुलिस उपमहानिरीक्षक मनोज सिंह के मार्गदर्शन में की गई। ट्रैप दल में निरीक्षक जितेंद्र यादव, टीएलओ, निरीक्षक राहुल गजभिए तथा लोकायुक्त जबलपुर की टीम शामिल रही।



भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई

लोकायुक्त संगठन के अनुसार, आरोपी सुनील बनवारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7, 13(1)(बी) और 13(2) के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। लोकायुक्त संगठन ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी किसी शासकीय कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी शिकायत लोकायुक्त कार्यालय या दूरभाष के माध्यम से की जा सकती है।इस कार्रवाई के बाद वन विभाग में रिश्वतखोरी के आरोपों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। लोकायुक्त संगठन ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मासूम की मौत पर डॉक्टर के खिलाफ हुई शिकायत घटित होगा जांच दल

परासिया :- परासिया में दो वर्षीय बच्ची की मौत के मामले में उसकी मां ने उपचार में कथित लापरवाही का आरोप लगाते हुए डॉक्टर सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से शिकायत की है इस मामले में स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस मामले में सीख रही जहाज दल गठित करने की बात कही गई है ।शिकायतकर्ता शिवानी तेकाम, निवासी वार्ड क्रमांक 01, राधाकृष्ण मंदिर के पास चांदामेटा, तहसील परासिया, जिला छिंदवाड़ा ने आवेदन में बताया कि 8 अक्टूबर 2026 को सुबह लगभग 11 बजे वह अपनी दो वर्षीय पुत्री यश्वी को निमोनिया होने की शिकायत लेकर स्टेशन रोड पर स्थित डॉ अमित ठाकुर के क्लीनिक ले गई थी जहां डॉक्टर के द्वारा उसकी जांच कर दवाइयां लिखी गई और जरूरी दिशा निर्देश दिए गए लेकिन अगले दिन 9 अक्टूबर को बच्ची ने दम तोड़ दिया । इधर विकासखंड चिकित्सा अधिकारी अंकित सहलाम ने बताया , कि इस मामले में बच्ची की मां के द्वारा शिकायत की गई है । जिसके आधार पर एक जांच दल शीघ्र ही गठित किया जाएगा । मामले में गंभीर और निष्पक्ष जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी ।

कलेक्टर आदेश के बाद भी जांच में लीपापोती, बेखौफ हो गए अधिकारी

माप पुस्तिका गायब, पत्राचार नदारद, फिर किस आधार पर मिली क्लीन चिट? कलेक्टर के निर्देश भी ठंडे बस्ते में!

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

मनरेगा के निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए शासन ने नियम-कायदे तय किए हैं। पंचायत का प्रस्ताव, खसरा-नक्शा, प्राक्कलन, तकनीकी स्वीकृति और निर्माण के बाद उपयंत्री द्वारा माप पुस्तिका में मूल्यांकन जैसी प्रक्रियाएं इसी व्यवस्था का हिस्सा हैं। लेकिन जब निर्माण कार्य की माप पुस्तिका ही उपलब्ध न हो, संबंधित पंचायत से दस्तावेज तक न मांगे जाएं और जांच के नाम पर क्लीन चिट मिलने की बात सामने आए, तो पूरी कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

ऐसा ही मामला तामिया जनपद के देलाखारी सेक्टर अंतर्गत ग्राम पंचायत खापा खुर्द में सामने आया है। यहां मनरेगा से बनी पुलिया करीब छह वर्षों से निर्माणाधीन बताई जा रही है। आरोप है कि घटिया गुणवत्ता के कारण पुलिया हल्की बारिश में ही क्षतिग्रस्त हो गई थी। इस मामले की लिखित शिकायत के साथ हरिभूमि ने भी सचित्र खबर प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया था। इसके बावजूद अब तक जांच और कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

कलेक्टर के निर्देश, फिर भी कार्रवाई का इंतजार!

14 अगस्त को छिंदी में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविर में पुलिया निर्माण की शिकायत पहुंची थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने संबंधित उपयंत्री के निलंबन के निर्देश दिए थे। वहीं सहायक यंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने की बात भी सामने आई थी। इससे ग्रामीणों को उम्मीद जगी थी कि निर्माण में कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच होगी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी।लेकिन दो महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं होने से सवाल उठ रहे हैं कि आखिर कलेक्टर के निर्देशों का पालन कहां तक हुआ? शिकायत के बाद भी यदि जिम्मेदारी तय नहीं होती, तो सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाली व्यवस्था पर भरोसा कैसे कायम रहेगा।



न माप पुस्तिका मिली, न जांच का पत्र

इस मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू माप पुस्तिका और जांच प्रक्रिया को लेकर है। ग्राम पंचायत के वर्तमान सचिव वहीद खान के अनुसार, उन्हें जांच के संबंध में कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ। न ही जांच अधिकारी ने उनसे संबंधित दस्तावेज मांगे और न निर्माण स्थल पर बुलाकर जानकारी ली गई।वहीं पंचायत के तत्कालीन सचिव भागीरथी उईके ने बताया कि मूल्यांकन के लिए उपयंत्री ने उनसे माप पुस्तिका ली थी, लेकिन वह आज तक वापस नहीं मिली। कार्यभार सौंपते समय उन्होंने नए सचिव को भी माप पुस्तिका नहीं दी थी।अब सवाल यह है कि जब वर्तमान और तत्कालीन सचिव दोनों के पास माप पुस्तिका नहीं है, तो निर्माण कार्य का मूल्यांकन किस आधार पर हुआ? निर्माण की वास्तविक स्थिति, दर्ज माप, उपयोग की गई सामग्री और भुगतान की प्रक्रिया का सत्यापन आखिर कैसे किया गया? इन सवालों का जवाब संबंधित विभाग को देना चाहिए।

जांच हुई या सिर्फ कागजी खानापूर्ति?

शिकायतकर्ताओं की ओर से उठाए जा रहे सवालों के मुताबिक, जांच के दौरान न तो पंचायत से औपचारिक पत्राचार किया गया और न ही संबंधित दस्तावेज मंगाए गए। ऐसे में जांच की प्रक्रिया और निष्कर्षों को सार्वजनिक करना जरूरी है। यह भी आरोप सामने आ रहा है कि क्षतिग्रस्त पुलिया की गुणवत्ता और पुराने निर्माण की खामियों की जांच करने के बजाय उस पर स्लैब ढलवाने की कार्रवाई की गई। यदि ऐसा हुआ है, तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि इसके लिए किस अधिकारी ने निर्देश दिए और तकनीकी स्वीकृति किस आधार पर मिली।जांच की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। यदि बिना समुचित दस्तावेजी सत्यापन और स्थल निरीक्षण के क्लीन चिट दी गई है, तो इसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि संबंधित अभिलेखों और विभागीय जांच से ही हो सकेगी।

मनरेगा के जिम्मेदार अधिकारी भी जवाब दें

मनरेगा के कार्यक्रम अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी और सहायक यंत्री की जिम्मेदारी निर्माण कार्यों की निगरानी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की भी होती है। ऐसे में उनसे जांच के संबंध में पत्राचार हुआ या नहीं, निर्माण की गुणवत्ता का निरीक्षण कब किया गया और माप पुस्तिका किसके पास है—इन सभी बिंदुओं पर विभाग को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि खापा खुर्द की पुलिया की जांच आखिर किन दस्तावेजों के आधार पर की गई? यदि माप पुस्तिका उपलब्ध नहीं है और पंचायत को जांच प्रक्रिया में शामिल ही नहीं किया गया, तो जांच की विश्वसनीयता पर उठ रहे सवालों का जवाब कौन देगा? प्रशासन को जांच रिपोर्ट, माप पुस्तिका, तकनीकी स्वीकृति और संबंधित पत्राचार की स्थिति स्पष्ट करते हुए जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। वरना कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद कार्रवाई का इंतजार और सरकारी निर्माण की गुणवत्ता पर उठते सवाल, दोनों बने रहेंगे।



इनका कहना है

मेरे द्वारा माप पुस्तिका में हस्ताक्षर किए गए है। इस मामले में जांच पीडब्ल्यूडी और ईआरईएस द्वारा की गई है। इसीलिए इस बात की जानकारी आपको उस विभाग से ही मिलेगी। क्या जांच हुई यह वे ही बता सकते है।

रामवती कैथवास
प्रभारी सहायक यंत्री मनरेगा

नैनादेवी मंदिर से प्रारंभ हुई चुनरी यात्रा

चावलपानी एवं तामिया ब्लॉक के ग्रामों तक पहुँची

जगह-जगह विधायक सुनील उईके का स्वागत, माताराणी के दरबार में अर्पित की चुनरी एवं प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव

जुन्नारदेव विधानसभा की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना के साथ विधायक सुनील उईके की 9 दिवसीय चुनरी यात्रा शारदीय नवरात्र के अवसर पर निकाली जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ की प्रेरणा से वर्ष 2013 में प्रारंभ हुई यह यात्रा अब अपने 14वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है।

पिछले 13 वर्षों से लगातार जारी इस धार्मिक परंपरा ने अब व्यापक स्वरूप ले लिया है।चुनरी यात्रा का शुभारंभ 11 अक्टूबर को तामिया ब्लॉक के तुलतुला पहाड़ पर विराजित माँ नैनादेवी के दरबार में चुनरी अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात विधायक सुनील उईके अपने साथियों के साथ कुर्सीढाना क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में पहुँचे और माँ दुर्गा के पंडालों में चुनरी एवं प्रसाद अर्पित किया।

यात्रा के दूसरे दिन 12 अक्टूबर को झिरपा, चावलपानी, बम्हनी एवं देलाखारी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में चुनरी अर्पित की गई। वहीं 13 अक्टूबर को यात्रा तामिया, साजकुही, लहगडुआ, करण पिपरिया, इटावा, धूसावानी एवं बिलवारकला क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में पहुँची। इन ग्रामों में विधायक सुनील उईके एवं उनके साथियों ने ढोल-बाजों के साथ माता रानी के पंडालों में पहुँचकर चुनरी एवं प्रसाद अर्पित किया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर विधायक का स्वागत किया गया तथा श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक यात्रा में सहभागिता की।



13 वर्षों की धार्मिक परंपरा ने दिलाई 'चुनरीवाले भैया' की पहचान

शारदीय नवरात्र के दौरान लगातार क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में पहुँचकर माता रानी के दरबार में चुनरी अर्पित करने की इस परंपरा से विधायक सुनील उईके को क्षेत्रवासी स्नेहपूर्वक 'चुनरीवाले भैया' के नाम से पुकारने लगे हैं। नवरात्र प्रारंभ होते ही श्रद्धालुओं को उनकी चुनरी यात्रा का इंतजार रहता है। वर्षों से जारी इस यात्रा के माध्यम से विधायक अपने साथियों के साथ क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में पहुँचकर माताराणी को चुनरी प्रसाद अर्पित कर धार्मिक आयोजनों में सहभागिता करते हैं।

14 एवं 15 अक्टूबर को नवेगांव ब्लॉक के ग्रामों में पहुँचेगी चुनरी यात्रा

चुनरी यात्रा के आगामी चरण में 14 एवं 15 अक्टूबर को जुन्नारदेव विधानसभा के नवेगांव ब्लॉक के विभिन्न ग्रामों में माँ दुर्गा के पंडालों में चुनरी एवं प्रसाद अर्पित किया जाएगा।विधायक सुनील उईके एवं उनके साथियों ने क्षेत्रवासियों से इस पावन चुनरी यात्रा में सम्मिलित होकर माँ दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने एवं पुण्यलाभ अर्जित करने की अपील की है।

छिंदवाड़ा को सूखाग्रस्त घोषित करने, फसल नुकसान का सर्वे और मुआवजे की उठाई मांग

भाजपा के नोटिस के बीच जिला पंचायत उपाध्यक्ष का शक्ति प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

भाजपा की ओर से अनुशासनहीनता का नोटिस दिए जाने के बीच जिला पंचायत उपाध्यक्ष अनिल सक्सेना ने किसानों के मुद्दों को लेकर मोर्चा खोल दिया। किसानों के साथ बस स्टैंड पर आयोजित सभा में उन्होंने छिंदवाड़ा जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने, खराब फसलों का सर्वे कराने, प्रभावित किसानों को मुआवजा देने और अधूरी पेयजल योजनाओं को पूरा करने की मांग उठाई। सभा के बाद वे सैकड़ों किसानों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने भाजपा के नोटिस पर भी बेबाकी से अपनी बात रखते हुए कहा कि किसानों के हितों के लिए संघर्ष करने से वे पीछे नहीं हटेंगे। बस स्टैंड पर आयोजित सभा में सक्सेना ने कहा कि जनता ने उन्हें वोट देकर जिला पंचायत सदस्य चुना और जनता के समर्थन से ही वे जिला पंचायत उपाध्यक्ष बने हैं। ऐसे में किसानों की समस्याओं को उठाना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से नोटिस देकर उन्हें दबाव में लेने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वे किसानों के हितों से समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता के मुद्दों पर उनका संघर्ष जारी रहेगा।



कम बारिश से फसलें प्रभावित, सर्वे नहीं होने पर नाराजगी

सक्सेना ने छिंदवाड़ा तहसील में कम बारिश के कारण पैदा हुए सूखे जैसे हालात का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार तहसील में 475 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जबकि कई ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा नहीं हुई। इसके चलते मक्का और सोयाबीन की फसलें प्रभावित हुई हैं। कुछ खेतों में मक्का के दाने तक नहीं बन पाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई गांवों में फसलें खराब होने के बावजूद पटवारी और ग्राम सेवकों ने सर्वे नहीं किया। उन्होंने जिले को सूखाग्रस्त घोषित कर किसानों को राहत देने की मांग की।

न्यूक्लियर प्लांट और ग्रामीणों की सहमति पर सवाल

सभा में ग्राम पीओएसए में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर परियोजना का मुद्दा भी उठाया गया। सक्सेना ने आसपास के गांवों की सुरक्षा, संभावित विस्थापन और परियोजना को लेकर ग्रामीणों को पर्याप्त जानकारी नहीं मिलने पर चिंता जताई। उन्होंने ग्रामसभा की सहमति की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए परियोजना के संभावित प्रभावों की जानकारी सार्वजनिक करने और ग्रामीणों की चिंताओं का समाधान करने की मांग की।कमलनाथ की योजनाओं का जिक्र, मुख्यमंत्री को दिलाया वादा यादसक्सेना ने वर्ष 2019 में कमलनाथ सरकार के दौरान नागालोगरा क्षेत्र से गांवों तक पेयजल पहुंचाने के लिए बनाई गई माइक्रो-1 और माइक्रो-2 योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का काम अब तक पूरा नहीं होने से ग्रामीणों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया है। उन्होंने अधूरी योजनाओं को जल्द पूरा कराने की मांग की।

भरत मिलाप की लीला ने दर्शकों को किया भावुक, राम-वियोग में छलके आंसू

श्रीराम से गले मिलकर फूट-फूटकर रोए भरत, भरत भूमिका में नजर आए ऋषभ स्थापक ने बांध दिया समा





हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

श्रीरामलीला मंडल के रंगमंच पर मंचित भरत मिलाप की लीला ने दर्शकों को भावुक कर दिया। भगवान श्रीराम और भरत के मिलन का मार्मिक प्रसंग देखकर रामलीला परिसर में मौजूद अनेक दर्शकों की आंखें नम हो गईं। भाई के प्रति प्रेम, त्याग, समर्पण और मर्यादा का ऐसा दृश्य मंच पर साकार हुआ कि पूरा प्रांगण भावनाओं से भर उठा। लीला के अंतिम क्षणों में जब 'राम भक्त ले चला राम की निशानी ' गीत गूंजा तो दर्शक भावविभोर हो गए।

इस वर्ष भी भरत की भूमिका में नगर निगम के राजस्व अधिकारी ऋषभ स्थापक ने अपनी मनमोहक अदाकारी से दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। दर्शकों को कला से कथा में डूबो देना और सजीव चित्रण कर आंखें नम कर देना यही तो एक कलाकार की प्रतिभा होती है और भरत के किरदार को अपनी प्रतिभा से निखारना ही तो कलाकार की क्षमता को बयां करता है और इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है कि भरत की भूमिका में ऋषभ स्थापक ने मिसाल कायम की है। श्रीरामलीला मंडल के सचिव राजेंद्र आचार्य ने बताया कि प्रतिदिन रामलीला देखने के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वहीं, मंडल के संरक्षक वीरेंद्र शुक्ल ने बताया कि बीती रात भरत मिलाप का प्रसंग मंचित किया गया, जिसमें कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों को रामायण के भावनात्मक प्रसंग से जोड़ दिया।

लीला के अनुसार, जब भरत को महाराज दशरथ के देह त्यागने की जानकारी मिलती है तो वे गहरे शोक में डूब जाते हैं। इसी बीच उन्हें पता चलता है कि माता कैकेयी के निर्णय के कारण प्रभु श्रीराम वनवास चले गए हैं। पिता की मृत्यु और बड़े भाई के वियोग का दोहरा दुख भरत को भीतर तक झकझोर देता है। वे माता कैकेयी के इस निर्णय से व्यथित होकर श्रीराम को वापस अयोध्या लाने का संकल्प लेते हैं। पिता को अंतिम विदाई देने के बाद भरत श्रीराम से मिलने के लिए चित्रकूट जाने की जिद ठान लेते हैं। चित्रकूट पहुंचकर जैसे ही उनकी मुलाकात प्रभु श्रीराम से होती है, वे उन्हें गले लगाकर फूट-फूटकर रो पड़ते हैं। यह दृश्य भाई के प्रति अगाध प्रेम और समर्पण का प्रतीक बनकर सामने आया। भरत श्रीराम से अयोध्या लौटने का आग्रह करते हैं, लेकिन पिता के वचन और मर्यादा का पालन करते हुए श्रीराम वनवास पूरा करने के अपने संकल्प पर अडिग रहते हैं। अंततः भरत श्रीराम की चरण पादुकाएं अपने सिर पर रखकर अयोध्या लौटने का निर्णय लेते हैं। वे इन पादुकाओं को राजसिंहासन पर स्थापित कर स्वयं सेवक के रूप में राज्य का दायित्व निभाने का संकल्प लेते हैं। श्रीराम भी भरत के पवित्र चरित्र और त्याग की सराहना करते हैं। इस पूरे प्रसंग ने दर्शकों को भाईचारे, कर्तव्य और त्याग का संदेश दिया।

ऋषभ स्थापक के अभिनय ने छोड़ी छाप



भरत मिलाप की लीला में भरत की भूमिका मंडल के मीडिया प्रभारी एवं सहनिर्देशक ऋषभ स्थापक ने निभाई। उन्होंने भावपूर्ण अभिनय से भरत के चरित्र को जीवंत कर दिया। श्रीराम की भूमिका रजत पांडे, सीता की भूमिका प्रज्ञांश शुक्ला और लक्ष्मण की भूमिका आयुष शुक्ल निभा रहे हैं। शत्रुघ्न के रूप में प्रभव शुक्ल ने अपने अभिनय से प्रभाव छोड़ा।इसी तरह कैकेयी की भूमिका धीरज डेहरिया, कौशल्या की भूमिका अजय चौकसे और सुमित्रा की भूमिका जय मालवी ने निभाई। मंथरा के षड्यंत्रकारी चरित्र को डॉ. पवन नेमा ने बखूबी प्रस्तुत किया। निषादराज के रूप में बाबुल सिंगारे और केवट के रूप में संतोष नामदेव ने भी अपनी भूमिकाओं को प्रभावी ढंग से निभाया।

श्री राम जन्म में आनंदित हुए दर्शक, गाएं गए बधाई गीत

जुन्नारदेव। नगर की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर श्री रामलीला मंचन के दूसरे दिन भगवान श्री राम जन्म की कथा का मंचन दिखाया गया जहां पर श्री राम के जन्म उपरांत अयोध्या में उत्साह का माहौल रहा राम जन्म के दौरान परंपरा अनुसार राम झूला सजाया गया जहां पर मन्नत पूरी होने पर लोगों ने अपने नवजात बच्चों को झूले पर डालकर भगवान श्री राम के दरबार में भेद प्रदान की। इसके अतिरिक्त संतान प्राप्ति की कामना को लेकर लोगों ने मन्नते भी मांगी। ऋषि विश्वामित्र राक्षसों से ऋषि मुनियों की रक्षा के लिए राजा दशरथ से श्री राम और लक्ष्मण को साथ में लेकर जाने का आग्रह करते हैं जिसके बाद राम और लक्ष्मण ऋषि के साथ वन की ओर गमन करते हैं इस दौरान श्राप वश पत्थर में परिवर्तित हुई माता अहिल्या का उद्धार भी श्री राम के द्वारा अपने चरण रज के स्पर्श से किया जाता है इस दौरान दिव्या अहिल्या श्री राम को नमन कर अपने पुण्य लोक की ओर गमन करती है। ऋषि विश्वामित्र के साथ गमन के दौरान रास्ते में श्री राम आतातायी राक्षसी ताड़का का वध कर जंगल के पशु पक्षी और जीवों को निर्भय प्रदान करते हैं इसके उपरांत राक्षसी ताड़का के वध का बदला लेने आए सुबह हो और मरीज को भी श्री राम के वाणों से परलोक प्राप्त होता है।



अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने का मिला आश्वासनः सोपान

बिजली कार्यालय सामने किसानों का जोरदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर



ग्राम सायरा में बार-बार बिजली ट्रिपिंग, लो-वोल्टेज और अपर्याप्त बिजली आपूर्ति से परेशान किसानों ने मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव सोपान कोहले के नेतृत्व में मंगलवार को विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता कार्यालय में लगभग एक घंटे तक धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने शासन व विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए फसलों की सिंचाई हेतु दिन के समय पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने की पुरजोर मांग की।किसानों के साथ मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस सचिव सोपान कोहले ने बताया कि क्षेत्र में कम बारिश होने के कारण फसलों को बचाने के लिए सिंचाई की अत्यधिक आवश्यकता है। वर्तमान में गांव में स्थापित दो ट्रांसफार्मरों पर क्षमता से अधिक भार होने से बार-बार ट्रिपिंग और लो-वोल्टेज की गंभीर समस्या बनी हुई है। किसानों ने मांग रखी कि ग्राम सायरा को उटीकाटा फीडर से पृथक कर सौसर फीडर से जोड़ा जाए तथा जल्द अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाया जाए।प्रदर्शन के दौरान सहायक अभियंता जितेंद्र सैनी ने सोपान कोहले की दूरभाष पर कार्यपालन अभियंता (डीई) श्री धुर्वे से बात कराई, जिन्होंने वोल्टेज समस्या सुधारने व अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने सौसर एसडीएम सिद्धार्थ पटेल से मुलाकात की। एसडीएम ने तत्काल डीई से चर्चा कर समस्या के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव सोपान कोहले ने कहा कि बिजली समस्या से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ को अवगत कराया जाएगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो 17 अक्टूबर को नकुलनाथ के नेतृत्व में आयोजित विशाल किसान आंदोलन में क्षेत्र के सैकड़ों किसान शामिल होकर विरोध दर्ज कराएंगे। इस अवसर पर रेवनाथ गुर्वे, विनायक गुर्वे, संदीप रूघे, हर्ष वाठ, प्रविण खडाईत, हरिओम गुर्वे, विनोद गुर्वे, अभिषेक गुर्वे, राजेन्द्र रूघे, विनायक खडसे, राजु जाने, बबलु वाफाडे, प्रदीप रुघे, शंकर बेड़े, जगदीश मगरूलकर, महादेव बल्ले, साथी उपस्थित थे।

लाडसा में झूलते 1100 केवी विद्युत तार की चपेट में आने से भैंस की मौत

देवलगांव रोड पर तालाब के पास हुआ हादसा, पशुपालक को करीब 50 हजार रुपये का नुकसान; झूलते बिजली तारों से ग्रामीणों की सुरक्षा पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज लांजी।





लांजी मुख्यालय के अंतर्गत ग्राम लाडसा में 12 अक्टूबर को दोपहर करीब 1:30 बजे एक बड़ा हादसा हो गया। देवलगांव रोड स्थित लाडसा तालाब के पास चारा चर रही एक भैंस नीचे लटक रहे 1100 केवी विद्युत तार की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृत भैंस ग्राम लाडसा निवासी संतोष पिता घनश्याम नखाते की बताई जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, भैंस तालाब के पास चारा चर रही थी। इसी दौरान नीचे लटक रहे विद्युत तार के संपर्क में आने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद भैंस मालिक संतोष नखाते ने लांजी थाना पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। सूचना के बाद पशु चिकित्सा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत भैंस का पोस्टमार्टम कर पंचनामा तैयार किया।

भैंस मालिक संतोष नखाते के अनुसार, मृत भैंस की कीमत लगभग 50 हजार रुपये से अधिक थी। भैंस की मौत से पशुपालक को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों के लिए मवेशी आजीविका का महत्वपूर्ण साधन होते हैं। ऐसे में इस तरह की घटनाएं उनके लिए बड़ी आर्थिक क्षति का कारण बनती हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र के कई गांवों में विद्युत तार नीचे लटकते दिखाई देते हैं। लाडसा में हुई इस घटना ने बिजली विभाग की सुरक्षा व्यवस्था और रखरखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल हादसे में एक मवेशी की जान गई है, लेकिन यदि समय रहते झूलते तारों को दुरुस्त नहीं किया गया तो खेतों में काम करने वाले किसानों, मजदूरों और ग्रामीणों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।ग्रामीणों ने संबंधित विद्युत विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में झूलते बिजली तारों का निरीक्षण कर उन्हें तत्काल दुरुस्त किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

सार्वजनिक महिला मंडल दुर्गा उत्सव समिति वार्ड नम्बर 11 में आयोजित हुई प्रतियोगिता

चित्र प्रतियोगिता में स्वाति प्रथम व किट्टू ने पाया द्वितीय स्थान



हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

शारदेय नवरात्रि पर्व के अवसर पर नगर में विभिन्न स्थानों में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा मातारानी की प्रतिमा की स्थापना की गई है। इन स्थानों में प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सार्वजनिक महिला मण्डल दुर्गा उत्सव समिति हैदराबाद मोहल्ला वार्ड नंबर 11 के तत्वावधान में प्रतिदिन विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें नन्हें मुन्ने बच्चों सहित कुछ बालिकाओं व बालकों द्वारा भी एक से बढक़र एक चित्र बनाए गए। बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों का निरीक्षण निर्णायकों द्वारा करने के बाद स्वाति लिमजे द्वारा बनाए गए चित्र को प्रथम स्थान एवं किट्टू लिमजे के चित्र को द्वितीय स्थान प्रदान किया गया। चित्र प्रतियोगिता की विजेता स्वाति लिमजे एवं उपविजेता किट्टू लिमजे को अतिथियों भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, पार्षद मोनू लिमजे, समिति अध्यक्ष गजराबाई कुल्हाड़े, जगदीश नेमा एवं समिति सदस्यों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

मां किरनाई मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, एसडीएम ने ज्योति कलश की स्थापना कर, चुनरी भेंटकर आरती की



हरिभूमि न्यूज किरनापुर।

मां किरनाई मंदिर किरनापुर में एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी ने शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार को मां किरनाई मंदिर में आस्था और भक्ति का माहौल के साथ मां किरनाई मंदिर की पूजा अर्चना कर ज्योति कलश जिसमें घी.के कलश 114व तेल के कलश 750 कुल कलशों की संख्या 864 जोत जलाकर आरती की। घरों से लेकर सार्वजनिक पूजा पंडालों तक कलश स्थापना के साथ मां दुर्गा की आराधना शुरू हुई। श्रद्धालुओं ने शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से कलश स्थापित कर मां भगवती के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की और घर-परिवार में सुख-समृद्धि की कामना की। नवरात्र को लेकर सुबह से ही घरों और पूजा स्थलों की साफ-सफाई के बाद पूजन की तैयारियां शुरू हो गई थीं। पूजा में परिवार के सदस्य शामिल हुए। मंत्रोच्चार और मां दुर्गा के भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया। नवरात्र में व्रत का संकल्प लेने वाले श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के बाद फलाहार ग्रहण किया। शहर में नवरात्र के साथ त्योहार की रौनक भी बढ़ने लगी है। बाजारों में चहल-पहल और पूजा पंडालों में तैयारियां तेज हो गई हैं। पंडालों में साउंड और लाइट की व्यवस्था की जा रही है। शाम को आरती के बाद मंदिरों में दीप जलाने और मां भगवती की ज्योत जगाने के लिए महिला श्रद्धालुओं की टोली पहुंची। पहले दिन से ही श्रद्धालु मां दुर्गा की आराधना में लीन दिखे।

उकवा की टीम का आसाम से बराबरी की टक्कर और नारायणपुर छत्तीसगढ़ ने महू इंदौर को 5-0 से हराया

नॉक आउट कम लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में 6 राज्यों की 10 टीमे ले रही हिस्सा



हरिभूमि न्यूज उकवा। मॉयल लिमिटेड सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में 65 वां मॉयल सार्वजनिक दुर्गा उत्सव के महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अखिल भारतीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 से मॉयल ग्राउंड उकवा खान मे कराया जा रहा है जिसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए एवं विजेता ट्रॉफी इसी तरह द्वितीय पुरस्कार पचपन हजार पांच सौ पचपन रु एवं रनर ट्रॉफी विजेता एंव उपविजेता टीम को प्रदान की जाएगी । अखिल भारतीय नॉक आउट कम लीग फुटबाल टूर्नामेंट में छह राज्यों की दस टीमें भाग ले रही है पुलिस बॉयज बालाघाट एवं मॉयल इलेवन फुटबॉल क्लब नागपुर की टीम नॉक आउट लीग क्वालीफाई मैच हार कर खेल से बाहर हो चुकी है अब लीग राउंड मैच में 8 टीम में भाग ले रही है सभी टीमों को लीग राउंड मैच में तीन-तीन मैच खेलना है जिनका अंकतालिका के आधार पर प्रत्येक ग्रुप से दो-दो टॉप टीमों का समिति के द्वारा चयन किया जाएगा वो टीमे 18 अक्टूबर को सेमीफाइनल मैच खेलेंगी 19 अक्टूबर को सेमी फाइनल मैच में उपविजेता रही टीमों का मैच कराया जाएगा उसी दिन टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबले भी कराया जाएगा अब देखना यहां है कि फाइनल मुकाबले में किसके सर सजेगा जीत का ताज ।टूर्नामेंट के संरक्षक श्री उमाकांत भुजाडे अभिकर्ता एवं महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में मुख्य अतिथि श्री निषाद निकोसे प्रबंधक उकवा खान जयंता प्रधान अंडरग्राउंड खान प्रबंधक उकवा विशिष्ट अतिथि श्री विवेक महाकालकर टूर्नामेंट के तीसरे दिन का पहला मैच रंगिया टाउन क्लब रंगिया आसाम एं मॉयल ब्वायज उकवा के मध्य खेला गया जिसमे दोनो ही टिमे अपने निर्धारित समय तक 1- 1 गोल की बराबरी पर रहकर एक -एक अंक प्राप्त किया। इसी तरह टूर्नामेंट का दूसरा मैच आरकेएम नारायणपुर छत्तीसगढ़ एवं नेशनल फुटबॉल क्लब महू इंदौर के मध्य खेला गया जिसमें आर नारायणपुर की टीम 3- 0 गोल से विजयी रही । टूर्नामेंट के विशेष अतिथि श्री विशाल सालुंखे संदीप मरकाम ओमेंद्र बिसेन टेक्निकल कमेटी से अजय बडोले बी कोटेश्वर राव आकाश मोडे टूर्नामेंट के सह सचिव विनय टांडी प्रीतम यादव राजेश खोबरागड़े टीपी सहनी धर्मेंद्र मेश्राम सूरज यादव महिला व्यवस्था समिति श्रीमती सुनीता तिर्की सरस्वती ब्रम्हे रेखा बाघ कुमारी योगेश्वरी यादव चिकित्सा समिति डॉक्टर विजय नरवाडे डॉक्टर श्रीमती जय श्री नरवाडे हेमंत बाग व्यवस्था समिति से अंकित निनावे रविंद्र डहरवाल प्रवीण नायर कृष्ण कटौते रविदास टांडिया दिलीप नागोसे शिवप्रसाद चौधरी मुकेश मरकाम दर्शन दीप मरकाम मनोज साठे जोसेफ नाग अशोक साहू राजकुमार नेताम कोमल पंद्रे रूपेश हिरवानी दीपक कुमरे दिनेश सिंह राजा करिया गुरु रोशन भालेंद्र ओमप्रकाश डोमने गोपेश हिरवानी एवं टेकचंद मदनकर आज खेले जाने वाला पहला मैच तमिलनाडु पुलिस चेन्नई एवं मॉयल इलेवन एफसी बालाघाट के मध्य खेला जाएगा इसी तरह आज का दूसरा मैच आर टी बॉयज हैदराबाद एवं बिल्डअप स्पोर्ट्स फाउंडेशन पन्ना मध्य खेला जाएगा । रात्रि मे स्थानीय स्कूली बच्चों के द्वारा डांस कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुती दी गई ।अंजल सिग ठाकुर मैच कमिश्नर इन मैचो के मुख्य निर्णायक गोविंद परमार इंदौर कपिल पंद्रे उकवा शाहरुख खान टीकमगढ़ विकास वडकडे अंम्बुज गुप्ता अनूपपुर रोहित यादव तरुण चक्रवर्ती ने निर्णायक की मुख्य भूमिका निभाई । मॉयल ग्राउंड में चल रहे फुटबॉल टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण क्रिएटर प्रतीक ह्रदे द्वारा किया जा रहा है जिसे आप अपने यूट्यूब चैनल पर घर बैठे भी देख सकते है।

सड़क हादसे में व्यापारी सुरेंद्र दौने का दुखद निधन

35 वर्षीय सुरेंद्र दौने की मौत से ग्राम बिसोनी में पसरा मातम, पीछे छोड़ गए मासूम बेटी और भरा-पूरा परिवार; उपसरपंच पवन कश्यप एवं सरपंच वर्षा विजय वारे ने व्यक्त की गहरी संवेदना

हरिभूमि न्यूज लांजी।



ग्राम बिसोनी निवासी व्यापारी सुरेंद्र दौने का सड़क दुर्घटना में दुखद निधन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुरेंद्र दौने पिता भीमराव दौने, उम्र 35 वर्ष, का बीती रात करीब 8 बजे सड़क हादसे में निधन हो गया। उनके असामयिक निधन की खबर से पूरे ग्राम बिसोनी में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार के एक सदस्य को खोने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दिवंगत सुरेंद्र दौने का अंतिम संस्कार ग्राम बिसोनी के मोक्षधाम में किया गया।सुरेंद्र दौने के निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वे अपने पीछे एक मासूम बेटी और भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके असमय चले जाने से परिजनों, रिश्तेदारों, परिचितों और ग्रामीणों में गहरा दुख व्याप्त है। ग्राम पंचायत बिसोनी के उपसरपंच पवन कश्यप ने व्यापारी सुरेंद्र दौने के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र दौने का इस तरह अचानक हम सभी के बीच से चले जाना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। इस घटना से परिवार को जो अपूरणीय क्षति हुई है, उसकी भरपाई कर पाना संभव नहीं है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ग्राम पंचायत बिसोनी की सरपंच श्रीमती वर्षा विजय बारे ने भी सुरेंद्र दौने के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र दौने सीधे-सादे, सरल स्वभाव और मृदुभाषी व्यक्ति थे। उनका इतनी कम उम्र में हम सभी को छोड़कर चले जाना पूरे गांव के लिए अपूरणीय क्षति है। वे अपने पीछे एक मासूम बेटी और भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। इस दुखद घटना से हम सभी व्यथित हैं।सरपंच श्रीमती वारे ने ग्राम पंचायत बिसोनी के समस्त पंचों एवं पंचायत परिवार की ओर से शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को इस कठिन समय में दुख सहने का संबल दें। ग्राम पंचायत परिवार इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ा है।

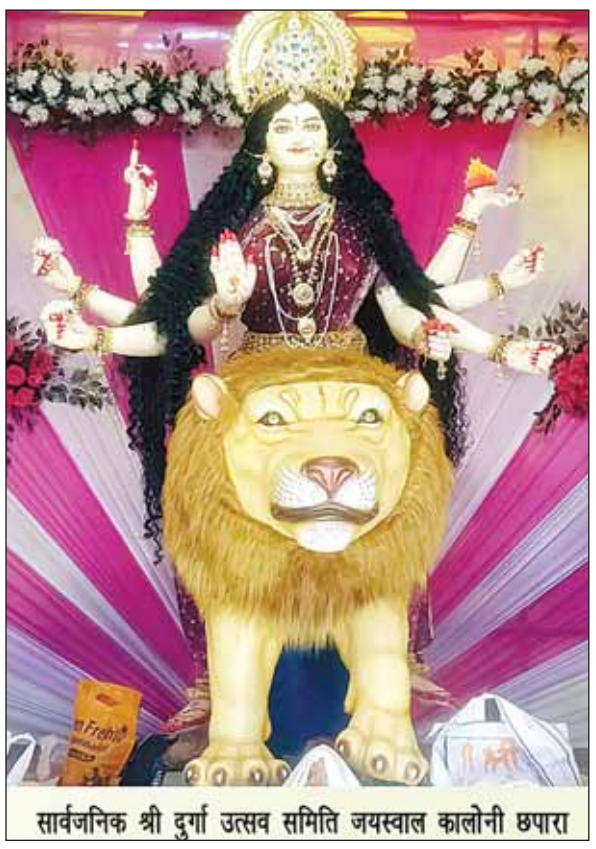
छपारा नगर में विराजमान माँ भगवती


सार्वजनिक श्री दुर्गा उत्सव समिति बाजारी वार्ड छपारा


सार्वजनिक श्री दुर्गा उत्सव समिति कुम्हारी वार्ड छपारा


सार्वजनिक श्री दुर्गा उत्सव समिति तकिया वार्ड छपारा


सार्वजनिक श्री दुर्गा उत्सव समिति डुंगरिया छपारा


सार्वजनिक श्री दुर्गा उत्सव समिति जयस्वाल कालोनी छपारा


सार्वजनिक श्री दुर्गा उत्सव समिति लोधी वार्ड छपारा


सार्वजनिक श्री दुर्गा उत्सव समिति महाराणा प्रताप कालोनी छपारा


सार्वजनिक श्री दुर्गा उत्सव समिति संजय कालोनी छपारा


सार्वजनिक श्री दुर्गा उत्सव समिति शंकर मढ़िया छपारा

आष्टा महाकाली धाम के लिए 17 अक्टूबर को निकलेगी विशाल चुनर पदयात्रा

धारना कलां से निकलेगी विशाल चुनर पदयात्रा, मां काली के दरबार आष्टा तक गूंजेगा जय माता दी का जयघोष सुबह 7 बजे हनुमान मंदिर से होगा शुभारंभ

बरघाट हरिभूमि। मां जगदम्बा आदि शक्ति के प्रति अटूट आस्था, श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक विशाल चुनर पदयात्रा का आयोजन इस वर्ष भी परंपरानुसार किया जाएगा। प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी ग्राम धारना कलां से मां काली के पावन धाम आष्टा तक भव्य चुनर पदयात्रा निकाली जाएगी। इसे लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह और धार्मिक उमंग का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 17 अक्टूबर दिन शनिवार को प्रातः 7 बजे धारना कलां के हनुमान मंदिर से चुनर पदयात्रा का शुभारंभ होगा। यात्रा गांधी चौक धारना कलां से होते हुए मां काली मंदिर, आष्टा तक पहुंचेगी। श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते हुए चुनर लेकर पदयात्रा में शामिल होंगे और माता रानी के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करेंगे।

ग्राम धारना कलां से जुड़ी है चुनर यात्रा की प्रारंभिक शुरुआत

समूचे ब्लाक बरघाट से स्थानीय स्तर पर इस चुनर पदयात्रा को लेकर धारना कलां गांव की विशेष पहचान बताई जाती है। मान्यता के अनुसार, महाकाली धाम आष्टा तक नवरात्रि के दिनो मे चुनर पद यात्रा ले जाने की इस धार्मिक परंपरा की प्रारंभिक शुरुआत धारना कलां हनुमान मंदिर से हुई थी। समय के साथ यह आयोजन श्रद्धालुओं की आस्था और सामूहिक सहभागिता का प्रतीक बन गया है।



समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों से शामिल होने की अपील

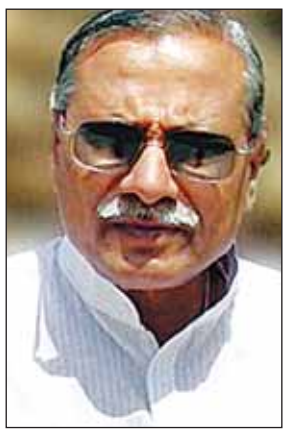
इस धार्मिक आयोजन में समस्त ग्रामवासी, क्षेत्रवासी, माता के भक्तों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। आयोजन के माध्यम से मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर श्री श्याम व्यायाम शाला, कलम फाउंडेशन, रक्तदान महादान परिवार एवं समस्त ग्रामवासी धार्मिक आयोजन में सहभागिता का आह्वान कर रहे हैं।समस्त ग्रामवाशियो , क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इस पुण्य शाली चुनर पद यात्रा में सम्मिलित होने की बारंबार अपील की जा रही है क्योंकि यह चुनर पद यात्रा समस्त प्राणियों से सभी कष्ट संकट दूर कर सभी पर जगदंबा अपना असीष प्रदान करें और हर एक के जीवन में सुख समृद्धि की कामना के लिए निकाली जाती है।

महाकौशल के चौथे राज्यपाल बने डॉ ढालसिंह बिसेन

भारत गणराज्य की महामहिम राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू ने 12 अक्टूबर को देश के छह राज्यपालों के दायित्व निर्धारित किए हैं उनमें मध्य प्रदेश से भी एक नाम डा ढालसिंह बिसेन शामिल है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

डा बिसेन सिवनी जिले के चिरपरिचित व्यक्तित्व हैं जो वर्ष 1990 से भाजपा के विधायक बनने के बाद से लगातार विभिन्न दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते चले आ रहे हैं। इस बार उन्हें राज्यपाल का अत्यंत गरिमामय पद प्रदान किया गया है। इस पद पर आसीन होने वाले डॉ बिसेन सिवनी जिले के दूसरे और महाकौशल क्षेत्र के चौथे व्यक्ति हो गए है जबकि भाजपा की ओर से यह दायित्व धारण करने वाले तीसरे महानुभाव हैं। उनके पहले सिवनी संसदीय क्षेत्र बनने के बाद 1977 में पहले सांसद बने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व महाधिवक्ता रहे जबलपुर निवासी स्वर्गीय निर्मलचंद जैन को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया था। उसके बाद कांग्रेस शासनकाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहीं सिवनी के घंसौर क्षेत्र से विधायक एवं प्रदेश की कैबिनेट मंत्री के साथ राष्ट्रीय


अनुसूचित जनजाति आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय श्रीमती उर्मिला सिंह को हिमाचा प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया था। पड़ोसी जिले छिंदवाड़ा निवासी और सिवनी जिले के लखनादौन विधानसभा क्षेत्र से 1990 में विधानसभा चुनाव लड़ चुकीं सुश्री अनुसुइया उइके जी को छत्तीसगढ़ और मणिपुर का राज्यपाल बनाया जा चुका है। इस प्रकार राज्यपाल के गरिमामय संवैधानिक पद पर पहुंचने वाले डॉ ढालसिंह बिसेन सिवनी जिले के दूसरे भाजपा के तीसरे और महाकौशल क्षेत्र के चौथे व्यक्ति बन गए हैं। वर्तमान में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के स्थाई आमंत्रित सदस्य के रूप में कार्य कर रहे डॉ बिसेन इसके पूर्व बरघाट मंडल अध्यक्ष से अपने राजनैतिक सफर प्रारम्भ कर जिला भाजपा के अध्यक्ष का सफलता पूर्वक दायित्व निभा चुके हैं। प्रशासनिक क्षेत्र में विधायक के बाद केबिनेट मंत्री सांसद और मध्य प्रदेश राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष का दायित्व निर्वहन कर चुके हैं। ग्रामीण किसान परिवेश से आने वाले डॉ बिसेन एक सरल सहज और व्यवहार कुशल व्यक्तिव के धनी व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान रखते हैं जिन्हें नवीन दायित्व मिलने पर समूचे जिले एवं प्रदेश में उत्साह का वातावरण परिलक्षित हो रहा है।

ग्राम पंचायत कत्ती में कथित वित्तीय अनियमितताओं पर सवाल, सरपंच-सचिव के लेनदेन पर रोक लगाने की मांग

वसूली आदेश जारी होने के बाद भी 1.90 लाख रुपये के भुगतान का दावा, ग्रामीणों ने कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को सौंपा आवेदन

सिवनी जिले कि जनपद पंचायत घंसौर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत कत्ती में निर्माण कार्यों में कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्राम पंचायत के पंचों एवं ग्रामीणों ने कलेक्टर सिवनी और मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सिवनी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर सरपंच एवं सचिव के वित्तीय लेनदेन अधिकारों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। आवेदकों का आरोप है कि अनियमितताओं के मामले में वसूली आदेश जारी होने के बावजूद ग्राम पंचायत में भुगतान और राशि आहरण का सिलसिला जारी है।

वसूली के आदेश जारी होने का दावा

आवेदन में उल्लेख किया गया है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सिवनी के न्यायालय द्वारा 1 अक्टूबर 2026 को ग्राम पंचायत कत्ती में निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं एवं घटिया कार्यों के मामले में वसूली आदेश जारी किए गए हैं। आवेदन के अनुसार, सरपंच श्रीमती सुमन कुमरे से 2 लाख 22 हजार 200 रुपये, तत्कालीन सचिव जयंत मरकाम से 2 लाख 22 हजार 200 रुपये तथा उपयंत्री राकेश कोसले और तत्कालीन सहायक यंत्री राजुल नामदेव से 2 लाख 500-2 लाख 500 रुपये की वसूली के आदेश जारी किए गए हैं।

हालांकि, इन आदेशों के बावजूद सरपंच के वित्तीय अधिकारों पर रोक नहीं लगाए जाने को लेकर आवेदकों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि यदि अनियमितताओं के मामले में कार्रवाई की गई है, तो आगे की वित्तीय गतिविधियों की निगरानी भी आवश्यक है।

1 अक्टूबर के आदेश के बाद 5 अक्टूबर को भुगतान का आरोप:



आवेदन में एक महत्वपूर्ण बिंदु यह भी उठाया गया है कि कथित तौर पर 1 अक्टूबर 2026 को वसूली आदेश जारी होने के बाद 5 अक्टूबर 2026 को ग्राम पंचायत से 1 लाख 90 हजार 18 रुपये का भुगतान किया गया। आवेदकों ने इस भुगतान के औचित्य और संबंधित वित्तीय प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है।

62 लाख रुपये के आहरण का आरोप: आवेदनकर्ताओं का आरोप है कि ग्राम पंचायत कत्ती में प्रकरण न्यायालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी में पंजीबद्ध होने के बाद से कथित तौर पर बिना कार्य कराए लगभग 62 लाख रुपये का आहरण किया जा चुका है। इस संबंध में बैंक स्टेटमेंट संलग्न किए जाने की बात भी आवेदन में कही गई है। इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और संबंधित निर्माण कार्यों के भौतिक सत्यापन से ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। आवेदन में बताया गया है कि कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सिवनी द्वारा 23 अप्रैल 2026 को जारी आदेश क्रमांक 439 के माध्यम से वर्तमान सचिव फूलभान शाह पन्द्रे से वित्तीय प्रभार हटाकर सचिव रितेश चौकसे को सौंपने के निर्देश दिए गए थे। आवेदकों का कहना है कि बाद में सरपंच एवं सचिव की डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट दोबारा सक्रिय कर दी गईं, जिसके बाद भुगतान भी किया गया। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों और वसूली आदेशों के बीच डीएससी दोबारा सक्रिय करने का आधार क्या था तथा इसके बाद किए गए भुगतान की प्रक्रिया नियमों के अनुरूप थी या नहीं।

वित्तीय अधिकारों पर रोक लगाने की मांग

ग्राम पंचायत के पंचों एवं अन्य आवेदकों ने कलेक्टर तथा जिला पंचायत सीईओ से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, संबंधित बैंक खातों और भुगतान अभिलेखों की जांच हो तथा जांच पूरी होने तक नियमानुसार आवश्यक अंतरिम कदम उठाए जाएं। उन्होंने भविष्य में संभावित वित्तीय अनियमितताओं को रोकने के लिए वैकल्पिक वित्तीय व्यवस्था बनाने का भी अनुरोध किया है।

अब निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर

ग्राम पंचायत कत्ती से जुड़े इस मामले में लगाए गए आरोपों की सत्यता संबंधित दस्तावेजों, बैंक विवरण, निर्माण कार्यों के सत्यापन और संबंधित अधिकारियों के पक्ष के आधार पर ही तय होगी। प्रशासन की जांच और कार्रवाई से ही स्पष्ट हो सकेगा कि वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों में कितनी सच्चाई है और जिम्मेदारों के विरुद्ध आगे क्या कदम उठाए जाते हैं।

नरवाई प्रबंधन को लेकर कृषि विभाग ने किसानों को दिए जरूरी, सुझाव फसल अवशेष न जलाने और उचित प्रबंधन अपनाने की दी सलाह

हरिभूमि न्यूज पलारी। कृषि विभाग द्वारा नरवाई प्रबंधन को लेकर किसानों को आवश्यक जानकारी एवं सुझाव दिए गए। कृषि उप निदेशक एस.के. धुर्वे ने किसानों को नरवाई प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए फसल अवशेषों को खेत में जलाने के बजाय उनका उचित प्रबंधन करने की सलाह दी। उन्होंने किसानों से कहा कि नरवाई जलाने से भूमि की उर्वरता प्रभावित होने के साथ पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। किसान कृषि यंत्रों एवं उचित तकनीक का उपयोग कर नरवाई का प्रबंधन करें और खेत की मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने में सहयोग करें। कृषि विभाग ने किसानों से शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, के प्राणिविज्ञान विभाग एवं इकोक्लब के संयुक्त तत्वावधान में वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन हुआ. वन्यजीव बचाएँ, जैव विविधता बढ़ाएँ और प्रकृति का संतुलन बनाएँ विषय पर आयोजित कार्यशाला में वन्यजीवों की पारिस्थितिक भूमिका, जैव विविधता संरक्षण, संकटग्रस्त प्रजातियों की सुरक्षा, प्राकृतिक आवासों का संरक्षण तथा मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व जैसे विषयों पर चर्चा हुई. वक्ता के रूप में डॉ. आर एस डहेरिया ने कहा कि वन्यजीव प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है. कहा कि वनों की कटाई, प्राकृतिक आवासों का विनाश, अवैध शिकार और पर्यावरण प्रदूषण के कारण अनेक वन्यजीव प्रजातियां संकट में हैं. विद्यार्थियों को वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने, प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए इको क्लब प्रभारी डॉक्टर संदीप शुक्ला ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया. कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. रविशंकर नाग ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण केवल सरकार या वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं,

हरिभूमि

सतपुड़ा भूमि

तिरोड़ी | बोनकटा | कंटगी | बैहर | वारासिवनी | हटा

12

जबलपुर, बुधवार 14 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

तारीख पर तारीख आक्रोशित युवक ने दिखाया 'नो सुनवाई' का पोस्टर

जनसुनवाई के नाम पर खिलवाड़!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



बालाघाट में मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान दो शिकायतें सामने आईं। नागसेन वैद्य ने नगरपालिका के बिजली लाइन विस्तार का काम पूरा करने के बाद भी करीब 6.5 लाख का भुगतान नहीं मिलने की बात कही।

उन्होंने 'नो सुनवाई' का पोस्टर दिखाकर अपनी नाराजगी जताई। वहीं, नैतरा पंचायत के सरपंच और पंचों ने रोजगार सहायक पर पंचायत के कामों की अनदेखी करने का आरोप लगाया और उसे नहीं हटाने पर सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी दी। नागसेन वैद्य ने बताया कि उन्होंने 2022 में नगरपालिका के बिजली लाइन विस्तार टेंडर का काम किया था। काम पूरा होने के बाद भी उन्हें करीब 6.5 लाख रुपए का भुगतान नहीं मिला। उनका कहना है कि वे कई बार जनसुनवाई में शिकायत लेकर पहुंचे, लेकिन हर बार



आश्वासन ही मिला। इसके बाद उन्होंने जनसुनवाई में 'नो सुनवाई' का पोस्टर दिखाकर अपनी समस्या उठाई। ग्राम पंचायत नैतरा के सरपंच संतोष लिल्हारे और पंचों ने रोजगार सहायक अवलेश बिरनवार की शिकायत की। उनका आरोप है कि रोजगार सहायक पंचायत के कामों की तुलना में एलआईसी के काम पर ज्यादा ध्यान देते हैं और पंचायत में सिर्फ दो घंटे आते हैं। सरपंच और पंचों के मुताबिक, रोजगार सहायक की कार्यशैली के कारण ग्रामीणों को शौचालय, पीएम आवास में जियो टैग और केवाईसी जैसे कामों में परेशानी हो रही है। सरपंच संतोष लिल्हारे ने चेतावनी दी कि अगर रोजगार सहायक को नहीं हटाया गया, तो वे सभी पंचों के साथ सामूहिक इस्तीफा दे देंगे।

जनसुनवाई में पहुंचा लगभग एक सैकड़ा परिवार

पुलिस संरक्षण में दमाहे परिवार के हौसले बुलंद, अवैध गतिविधियों से परेशान ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के रट्टा गांव से 100 से ज्यादा ग्रामीण मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने दमाहे परिवार के कुछ सदस्यों पर वन्यजीवों के शिकार, जंगल कटाई, नाले से पत्थर निकालने और अवैध शराब के कारोबार जैसे आरोप लगाए।

ग्रामीणों ने पुलिस, प्रशासन और माइनिंग विभाग पर कार्रवाई नहीं करने और परिवार को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए शिकायत की। एसडीएम गोपाल सोनी ने उन्हें शिकायत पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया।



ग्रामीणों ने रोमन, जियालाल, रामचरन दमाहे, फूलचंद ओंकार और राजेश के खिलाफ शिकायत की। सरपंच रवि कुमरे ने आरोप लगाया कि परिवार के सदस्यों पर वन्यजीवों का शिकार करने, जंगल काटने, नाले से पत्थर निकालने और ग्रामीणों को डराने के मामले सामने आए हैं।सरपंच के मुताबिक, 27 सितंबर को मुकेश मर्सकोले के साथ मारपीट के बाद गांव में हुए विवाद में भी परिवार के सदस्यों के नाम सामने आए थे। उपसरपंच जितेंद्र राणा ने परिवार पर अवैध शराब का कारोबार करने का आरोप लगाया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि जब्त गिट्टी चोरी होने की जानकारी देने के बावजूद माइनिंग विभाग ने कोई कदम नहीं उठाया। ग्रामीणों के मुताबिक, इससे गांव में डर का माहौल है और कुछ लोग पलायन कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आगे विवाद बढ़ सकता है। ग्रामीणों की शिकायत पर एसडीएम गोपाल सोनी ने उन्हें हरसंभव कार्रवाई का भरोसा दिलाया।



पूर्व मंत्री ढालसिंह बिसेन उत्तराखंड के बने राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। सिवनी के पिपरिया गांव में जन्मे बिसेन चार बार विधायक, कैबिनेट मंत्री और राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष रह चुके हैं। भाजपा ने 2019 में बिसेन को बालाघाट लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया। जीत के बाद वे 17वीं लोकसभा के सदस्य बने और 2024 तक सांसद रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छह राज्यों में राज्यपालों की नियुक्ति और फेरबदल किया। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर को केरल और केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को तमिलनाडु भेजा गया है।

इसके अलावा ब्रज मोहन राम को ओडिशा, डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक और दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। सभी नियुक्तियां संबंधित पदों का कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होंगी।

महिला का मर्डरः खटिया के खूंट और कुल्हाड़ी के डंडे से हमले



बालाघाट। बालाघाट जिले के रूपझर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिठली चौकी के बोडकी गांव में एक बुजुर्ग महिला की हत्या की गई। मंगलवार दोपहर घटना की खबर मिलते ही एसडीओपी, थाना प्रभारी कामेश धूमकेती और बालाघाट से पहुंची एफएसएल (FSL) की टीम ने मौके पर पहुंचकर बारीकी से जांच की और साक्ष्य जुटाए। मृतक की पहचान शांतिबाई पति सोनसिंह भलावी (50) के रूप में हुई है। रूपझर थाना प्रभारी ने बताया कि दोपहर में महिला की मौत की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।शुरुआती जांच और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी दोनों शराब पीने के आदी थे और उनके बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे।घटना की रात भी दोनों शराब के नशे में थे। इसी दौरान किसी बात पर हुए विवाद में पति ने महिला पर खटिया के खूंट और कुल्हाड़ी के डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मलाजखंड महाविद्यालय में इन्फ्लुएंसर एक्सचेंज गतिविधि आयोजित

सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यमों से जनजागरूकता बढ़ाने के लिए किया प्रेरित



हरिभूमि न्यूज बालाघाट। डॉ. सुधन्वा सिंह नेताम शासकीय महाविद्यालय, मलाजखंड में प्राचार्य डॉ. एम.के. धुर्वे के मार्गदर्शन एवं अभियान के नोडल अधिकारी प्रो. राजेन्द्र कुमार पिवहरे के समन्वय में इन्फ्लुएंसर एक्सचेंज गतिविधि आयोजित की गई। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य युवा सोशल मीडिया क्रिएटर्स, विद्यार्थियों एवं स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों को जोड़कर सेवा, सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकसित भारत के संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है। इसके माध्यम से युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने तथा डिजिटल माध्यमों द्वारा सकारात्मक जनजागरूकता विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना विकास एवं अकादमिक बदलावों से संबंधित विषयों पर रील, शॉर्ट वीडियो, सोशल मीडिया पोस्ट एवं अन्य डिजिटल कंटेंट तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया। तैयार डिजिटल सामग्री के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों, शैक्षणिक सुविधाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकसित भारत की परिकल्पना को जनसामान्य तक पहुँचाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के रचनात्मक एवं सकारात्मक उपयोग, डिजिटल माध्यमों से सामाजिक जागरूकता के विस्तार तथा युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया गया। विद्यार्थियों को संदेशपरक, तथ्यपरक एवं जनहितकारी डिजिटल सामग्री तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, ताकि समाज में सकारात्मक विचारों का प्रसार हो सके। इस गतिविधि का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विजयश्रीकांत मिश्रा, डॉ. ऋषभ बिसेन, प्रो. सचिनराम शुक्ला एवं डॉ. मनोज कुमार मरावी के मार्गदर्शन में किया गया। इन्फ्लुएंसर एक्सचेंज गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में डिजिटल रचनात्मकता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनजागरूकता की भावना को प्रोत्साहित करने तथा सेवा संकल्प अभियान-2026 के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में सार्थक पहल की गई।

वन परिक्षेत्र हट्टा मे वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज हट्टा।



वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह 02 से 08 अक्टूबर 2026 के अंतर्गत वन परिक्षेत्र हट्टा में कराए गए विविध आयोजन, सेवा संकल्प अभियान के तहत वन परिक्षेत्र हट्टा अंतर्गत 09 अक्टूबर को मोक्षधाम हट्टा व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हट्टा में वृक्षारोपण किया गया जिसमें जिला पंचायत सदस्य सुश्री डाली कावरे. सरपंच ग्राम पंचायत हट्टा उमेश सोनेकर, उप सरपंच वीरेंद्र बिसेन, चंद्रभूषण असीम चौहान जनपद सदस्य किरनापुर, जनपद सदस्य बालाघाट श्रीमती रंजना वैद्य, श्रीमती शीला पटले(सामाजिक कार्यकर्ता), मध्य प्रदेश पुलिस थाना हट्टा से श्री विजय कुमार पटले (ASI), श्रीमती अर्चना वैद्य (ASI) वन परिक्षेत्र अधिकारी हट्टा (सामान्य) अभिलाष पाठक सर व समस्त वन अमला उपस्थिति रहा। इसके अतिरिक्त वन परिक्षेत्र हट्टा अंतर्गत वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह अंतर्गत स्वच्छता कार्यक्रम, विद्यालयों में प्रतियोगिता कार्यक्रम, ग्रामों में जन जागरुकता कार्यक्रम एवं जैव प्रबंधन समितियों में जागरूकता कार्यक्रम, जन विश्वास कार्यक्रम अंतर्गत समस्या निवारण शिविर तथा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

70वॉ धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस के अवसर पर महाबोधी महाविहार बोधगया का प्रबंधन बुद्धिष्ट लोगों के हाथों में कराने हेतु प्रतिबद्ध हो बौद्ध अनुयायियों - प्रदेश अध्यक्ष एड. संजय खोबरागड़े



हरिभूमि न्यूज बालाघाट। महाबोधि महाविहार, बोधगया का प्रबंधन बौद्ध अनुयायियों को सौंपने और BT एक्ट 1949 निरस्त कराने की मांग को लेकर 20 अक्टूबर 2026 को नागपुर में विशाल शांति रैली निकाली जाएगी। रैली दोपहर 12 बजे संविधान चौक से ऐतिहासिक दीक्षाभूमि तक पहुंचेगी। आयोजकों के अनुसार इसमें देशभर के बौद्ध संगठनों के पदाधिकारी और लाखों अनुयायी शामिल होंगे। महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति, मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता संजय खोबरागड़े ने बताया कि 14 अक्टूबर 1956 को डॉ. बाबा साहब अंबेडकर ने नागपुर में पांच लाख से अधिक लोगों को बौद्ध धम्म की दीक्षा दी थी। 16 अक्टूबर को चंद्रपुर में तीन लाख से अधिक लोगों ने दीक्षा ग्रहण की। उनके परिनिर्वाण के बाद 7 दिसंबर 1956 को मुंबई में दस लाख लोगों ने बौद्ध धम्म अपनाया। अशोका विजया दशमी पर धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस देशभर में मनाया जाता है।समिति के जिला अध्यक्ष विकास खांडेकर ने कहा कि महाबोधि महाविहार विश्वभर के बौद्धों की श्रद्धा का केंद्र है, लेकिन इसका प्रबंधन उनके हाथों में नहीं है। जिला बौद्ध संघ अध्यक्ष भोजराज वासनिक ने बताया कि वे 14 अक्टूबर 1956 के दीक्षा समारोह में अपने पिता बाबू घनश्याम वासनिक के साथ शामिल हुए थे। उन्होंने अनुयायियों से आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा करने और रैली में भाग लेने की अपील की। खोबरागड़े के अनुसार, 1949 के बोधगया टेंपल मैनेजमेंट कमिटी एक्ट में चार बौद्ध, चार गैर-बौद्ध सदस्य और कलेक्टर पदेन अध्यक्ष का प्रावधान है। संविधान लागू होने के बाद भी यह कानून निरस्त नहीं हुआ। इसे चुनौती देने के लिए 2018 में सुप्रीम कोर्ट में इंटरवेंशन पिटीशन क्रमांक 91048/2018 प्रस्तुत की गई। रैली में भदंत प्रज्ञाशील, भदंत धम्मशिखर, डा. आकाश लामा, चंद्रबोधी पाटिल, सुनील सारिपुत्र, धम्म रतन शोमकुवर और भंते धम्मतप सहित कई संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

लगभग 13 लाख रुपए के जेवरात सहित नगद राशि पर चोरों ने किया था हाथ साफ

4 माह से चोरी की एफआईआर दर्ज नही, पीड़ित लगा रहा थाना, एसपी व कलेक्टर के चक्कर



हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। पुलिस थाना वारासिवनी अंतर्गत वारासिवनी नगर के वार्ड नम्बर 8 चंदोरी की गौशाला में निवास करने वाले अनिल आत्मापुजे चोरी की एफआईआर दर्ज करवाने पिछले 4 माह से वारासिवनी थाने के चक्कर लगा रहे है। हैरत कि बात यह है कि 4 माह होने के बाद भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नही की है, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे है? वारासिवनी पुलिस द्वारा टाल मटोल वाला रवैया अपनाता देख पीड़ित व्यक्ति का पुलिस के ऊपर से विश्वास खत्म हो चुका है। आखिर वारासिवनी पुलिस इस बड़ी चोरी की एफ़आईआर दर्ज क्यों नहीं कर रही है? यह सबसे बड़ा सवाल नगरवासियों के लिए बना हुआ है। यहीं नहीं पीड़ित अनिल आत्मापुजे द्वारा इस संबंध में एसडीओपी वारासिवनी, एस पी बालाघाट व कलेक्टर जनसुनवाई में भी लिखित आवेदन किए गए। लेकिन उसके बावजूद भी आज तक एफआईआर दर्ज नहीं होना, अनेक संदेहों को जन्म दे रहा है।

15 जून को चोरी की हुई थी बड़ी वारदातः पीड़ित व्यक्ति अनिल पिता दयाशंकर आत्मापुजे ने बताया कि 12 जून को वह अपने सुसराल सिवनी गया हुआ था। उनकी पत्नी सीता आत्मापूजे पचधार नवेगांव जिला सिवनी के प्राइमरी स्कूल में शासकीय शिक्षक है। वह अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए वारासिवनी के चंदोरी स्थित गौशाला में बने कमरों में किराये से रहता है। उसकी पत्नि सीता कभी-कभी वारासिवनी आना-जाना करती है। 15 जून को हमारे पड़ोसी पदमा त्रिपाठी का कॉल आया कि आपके घर का ताला टूटा हुआ हैं। मै उसी दिन तत्काल अपने सुसराल सिवनी से वारासिवनी चंदौरी अपने घर पहुंचा और देखा कि घर के अंदर सारा सामान बिखरा हुआ था और लाखों रुपए के जेवरात और नगदी घर से गायब थे। इस घटना की सूचना मैने वारासिवनी पुलिस थाने में दी। जिस पर पुलिस अधिकारी और एफएसएल की टीम ने मेरे घर में पहुॅच कर जांच पड़ताल की और वारासिवनी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाने के लिए कहा। जिस पर मै 15 जून को वारासिवनी थाने में एफआईआर दर्ज करवाने गया। मगर मेरी एफआईआर दर्ज नहीं की गई, उसके बाद मैने 17 जून को आवेदन दिया, तो ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज ना कर मुझे आवेदन की पावती दे दी गई।

चाय पी लो, आपकी चोरी का कुछ करते है, ऐसा मिलता है जवाबः उन्होंने बताया कि उसके बाद मै जब भी वारासिवनी थाने में आनलाइन एफ़आईआर दर्ज करवाना जाता हूॅ। वहां बैठे पुलिस कर्मी मुझसे यही कहते है कि रिपोर्ट दर्ज करवाना है कि चोरों को पकडना है। चाय पी लो, आपका काम हो जाएगा। हमारी पुलिस चोर को पकडने में लगी है, ऐसा कहते है। मगर आनलाइन एफ़आईआर दर्ज नहीं करते है। जिससे मेरा अब पुलिस से भरोसा खत्म हो चुका है।

वारासिवनी थाना, एस पी व कलेक्टर जनसुनवाई में आवेदन देने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीः पीड़ित अनिल आत्मापुजे ने बताया कि उन्होंने चोरी के बाद 17 जून 26 को पुलिस थाना वारासिवनी, 30 जून 26 को पुलिस अधीक्षक बालाघाट, 7 जुलाई 26 को कलेक्टर जनसुनवाई बालाघाट, 21 जुलाई 26 को पुलिस अधीक्षक बालाघाट को जनसुनवाई की कार्यवाही जानने के लिए और 11 अगस्त 26 को उनकी पत्नी सीता आत्मापुजे ने कलेक्टर बालाघाट की जनसुनवाई में लिखित आवेदन दिया है। लेकिन उसके बावजूद भी आज तक किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही हुई है। पुलिस ने ना तो कोई एफआईआर दर्ज की है और ना ही चोरों को पकडने में सफल हुई है।

लगभग 12 लाख रुपए के जेवरात और नगद राशि हुई थी चोरीः पीड़ित अनिल आत्मापूजे ने बताया कि घर में रखे सोने के कान के 3 जोड़ी जिसकी कीमत 2 लाख रुपए, नाक की 5 लौंग कीमत 10 हजार रुपए, 2 नग सोने की चैन कीमत 2 लाख रुपए, हाथ के कंगन 6 नग जिसमें 2 नग सोने के कीमत 3 लाख रुपए, मंगसूत्र पैंडल 2 नग कीमत 1 लाख रुपए, बिछिया 10-15 जोड़ी 50 हजार रुपए, पायल 15 जोड़ी चांदी की 2 लाख रुपए, सोने का रवा 1 तोले का कीमत 2 लाख रुपए सहित लगभग 2 हजार रुपए नगद चोरी हुए है।

इस संबंध में जब जॉच अधिकारी आशीष वरकड़े से चर्चा की गई, तो उन्होंने बताया कि कुछ तकनीकी कारणों से एफआईआर दर्ज नहीं हो पाई है। लेकिन पुलिस चोरों की तलाश में लगी हुई है और शीघ्र ही चोरी का खुलासा किया जा सकता है।

महिलाओं के खौफ से शराब माफियाओं ने जंगल में डाला डेरा

हरिभूमि न्यूज कटंगी।



नशे के खिलाफ महिलाओं की मुहिम अब जंगल तक पहुंच गई है। कटंगी तहसील की ग्राम पंचायत टेकाडी (का) की महिलाओं ने मंगलवार 13 अक्टूबर को मुख्यालय पहुंचकर वन परिक्षेत्र अधिकारी, दक्षिण सामान्य वन मंडल को ज्ञापन सौंपा और जंगल के भीतर चल रही अवैध हाथ भट्टी की कच्ची शराब पर कार्रवाई की मांग की। दरअसल, 1 अक्टूबर से टेकाडी (का) की महिलाओं ने गांव को पूर्ण रूप से नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। महिलाओं के इस साहसिक कदम को पुलिस का भी सहयोग मिला है। पुलिस ने गांव में एक अस्थाई चौकी स्थापित कर दी है, जिसके बाद गांव के भीतर शराब बेचना लगभग नामुमकिन हो गया है। इसका असर धरातल पर भी दिखने लगा है और गांव में शांति का माहौल लौट रहा है। लेकिन शराब माफियाओं ने अब नया ठिकाना ढूंढ लिया है। महिलाओं ने ज्ञापन में बताया कि गांव में बिक्री बंद होने के बाद माफिया अब जंगल के भीतर अवैध रूप से कच्ची शराब बना और बेच रहे हैं। रोज रात 9 से 10 बजे के बीच जंगल के अंदर भट्टियां सुलगती हैं। इससे पूरे गांव का माहौल फिर से खराब हो रहा है। महिलाओं ने आशंका जताई कि देर रात जंगल में शराब बनाने और पीने जाने से किसी बड़ी अनहोनी का डर भी है। जंगल में वन्य प्राणियों की मौजूदगी है, ऐसे में नशे की हालत में किसी व्यक्ति के साथ वन्य प्राणियों द्वारा अप्रिय घटना घट सकती है। महिलाओं ने वन विभाग से मांग की है कि जंगल में गश्त बढ़ाई जाए और हाथ भट्टी शराब बनाने वालों पर कठोर कार्रवाई कर गांव की नशा मुक्ति मुहिम को सफल बनाया जाए।

कामठी की महिलाओं ने नशे के खिलाफ खोला मोर्चाः नशे ने तोड़ दिए घर, अब महिलाएं जोड़ने निकली हैं गांव। कटंगी तहसील की ग्राम पंचायत कामठी की दर्जनों महिलाओं ने मंगलवार 13 अक्टूबर को नशा मुक्ति के लिए एक साथ तीन जगह गुहार लगाई। महिलाएं सुबह जिला मुख्यालय बालाघाट पहुंची। वहां उन्होंने जनसुनवाई में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर गांव को नशा मुक्त बनाने में प्रशासनिक सहयोग और पुलिस बल उपलब्ध कराने की मांग की। इसके बाद महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक बालाघाट कार्यालय में भी शिकायत दर्ज कराई कि गांव में अवैध तरीके से कच्ची-पक्की शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है। शाम 4 बजे तक सभी महिलाएं वापस कटंगी पहुंचीं और थाना प्रभारी को भी लिखित शिकायत सौंपी। समता महिला आजीविका ग्राम संगठन के नेतृत्व में दर्जनों महिलाओं के द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि गांव में बड़े-बुजुर्ग से लेकर नाबालिग बच्चों तक कच्ची-पक्की शराब का अत्यधिक सेवन कर रहे हैं। इससे परिवारों में कलह, लड़ाई-झगड़े बढ़ गए हैं। शराब पीने वाले के शरीर और परिवार पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है, साथ ही बच्चों के भविष्य और वैवाहिक जीवन पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। महिलाओं ने बताया कि 3-4 दिन पहले ही गांव में नशा मुक्ति रैली भी निकाली गई थी, लेकिन शराब विक्रेताओं पर उसका कोई असर नहीं हुआ। खुलेआम कच्ची शराब बेची जा रही है। महिलाओं ने अपने आवेदन में पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने लिखा है कि पुलिस द्वारा भी शराब बेचने वालों को सह देते हुए उनसे रुपये लेकर शराब बेचने के लिए खुली छूट दी जाती है, जिससे गांव में खुलेआम शराब बिक्री की कालाबाजारी चल रही है। महिलाओं ने मांग की है कि गांव में पुलिस बल तैनात कर नशा मुक्ति अभियान में सहयोग किया जाए, ताकि गांव में शांति बनी रहे।

शासकीय महाविद्यालय में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के अंतर्गत शैक्षणिक गतिविधियों का हुआ आयोजन



किरनापुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं विकसित भारत 2047 अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के अंतर्गत शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन शासकीय महाविद्यालय, किरनापुर में किया गया। उक्त कार्यक्रम कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, सतपुड़ा भवन, भोपाल के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, तार्किक क्षमता और नवीन तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विकसित भारत के दृष्टिकोण पर चिंतन-मनन को बढ़ावा देना था।आयोजन के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित प्रतियोगिताओं और बौद्धिक सत्रों का आयोजन किया गया(

//नाम परिवर्तन सूचना//

मैं तपेश नागभिड़े पिता योगलाल नागभिड़े निवासी वार्ड नं. 05 नैतरा, तहसील व जिला बालाघाट का निवासी हूं। मेरे ड्राइविंग लाइसेंस क्रं. MP50N20160014546 में मेरा नाम TAPESH NAGNBHIDE S/O YOGLAL NAGNBHIDE दर्ज है जो कि गलत हैं। जबकि सभी दस्तावेजों में मेरा नाम TAPESH NAGBHIDE पिता YOGLAL NAGBHIDE हैं जो कि सही व सत्य हैं। अतः मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में TAPESH NAGNBHIDE S/O YOGLAL NAGNBHIDE के स्थान पर TAPESH NAGBHIDE S/O YOGLAL NAGBHIDE सुधार किया जाएं एवं लिखा व पढ़ा जावें।